an>

Title: Need to provide royalty for preserving the natural resources in Himachal Pradesh, Uttarakhand and Jammu & Kashmir.

**डॉ. राजन सुशान्त (कांगड़ा):** सभापति महोदय, जम्मू-कश्मीर का लेह बादल फटने से ध्वस्त हो गया है। कल पाकिस्तान का सिंध प्रांत भी भयंकर बाढ़ की चपेट में आ गया है। सतलुज आदि प्रमुख नदियां खतरे के निशान की ओर बढ़ रही हैं। बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, अनावृष्टि और प्राकृतिक आपदाएं, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरण संरक्षण आज पूरे संसार के लिए गम्भीर व प्रथम चिंताजनक पहलू हैं। ग्लेशियर्स पिघलेंगे तो गंगा भी लुप्त हो सकती है और सभी प्रमुख नदियों का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। क्योंकि बर्फ से बारी, बारी से वृक्ष, वृक्ष से वायु, विद्युत, सूर्य, बादल, वाष्प, यह सारा चक्र है। इसलिए यह चक्र बचाना हमारे लिए जरूरी है।

सभापति जी, आज हमारे जो पर्वतीय राज्य हैं, उनमें 10,000 ग्लेशियर हैं, जो 37,000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले हुए हैं। आज सारे विश्व को अगर हमें बचाना है, तो इन ग्लेशियर्स को बचाना जरूरी है, क्योंकि इन पर खतरा है। अगर ये ग्लेशियर्स पिघलेंगे तो जहां पीने के पानी की दिक्कत होगी, वहीं जल प्रलय भी हो सकती है। इसलिए विश्व में पर्यावरण के संरक्षण हेतु मैं कहना चाहता हूं कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पूर्वांचल के अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम तथा जम्मू-कश्मीर सहित सभी हिमांचल राज्य जो प्रकृति की नयनाभिराम आकृति हैं, इन्द्रधनुषी छटाएं हैं, उन्होंने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ रखी है। आज ये सभी राज्य बेपनाह हैं। उनके त्याग की रश्मियां उपेक्षित हैं व आंतरिक शक्ति दम तोड़ने लगी है। बर्फ के टीले जमा होने के कारण हम पहाड़ी लोग वहां खेती भी नहीं कर सकते, बगीचे भी नहीं लगा सकते हैं। इससे बेरोजगारी और भूख हमारी आत्मिक पुकार बनने लगी है। यद्यपि बिजली और पानी में थोड़ी सी रायल्टी देकर केन्द्र सरकार की ओर से राहत के कुछ कदम उठे हैं। परन्तु यह कदम पर्याप्त नहीं हैं और इनसे हमारी आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं हो रही है। इस अवस्था में, मैं भारत सरकार से पुरजोर मांग करता हूं कि भारत सहित, समस्त संसार को बचाने वाले व शुद्ध जल-वायु व पर्यावरण देने वाले, हिमाचल, उत्तरांचल, पूर्वांचल और जम्मू-कश्मीर सहित सभी हिमांचली राज्यों को, जहां बर्फ है, जिसे सफेद सोना कहिये या चांदी सा चमचमाता हीरा, इन बर्फ के पहाड़ों को विशेष तौर पर तथा साथ ही वारि, वृक्ष, वायु, विद्युत तथा वनांचल राज्यों को वन व वायु पर विशेष रायल्टी का पैकेज शीघ्र दिया जाए।

**सभापति महोदय :** श्री अर्जुन राम मेघवाल व

श्री गोविंद प्रसाद मिश्र जी को डा. राजन सुशान्त जी के उपरोक्त प्रकरण से संबद्ध किया जाता है।